संदेश

राष्ट्रीय विभूति बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मैं उन्हें सादर नमन करता हूं और अपने सभी देश-वासियों को हृदय से बधाई देता हूं। डॉक्टर आंबेडकर बहु-आयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री, नीति-शास्त्री, प्रकांड विद्वान, असाधारण विधिवेत्ता और संविधानवादी थे। लेकिन सबसे बढ़कर, वे समाज-सुधार तथा महिलाओं के विकास के समुचित अवसरों के लिए संघर्ष करने वाले कर्मठ अग्रदूत थे। वे समानता के प्रबल पक्षधर थे। हमारे देश और समाज के लिए उनकी शिक्षाएं सदैव प्रासंगिक रही हैं, और रहेंगी।

डॉक्टर आंबेडकर ने एक बेहतर और न्यायपूर्ण समाज के लिए आजीवन संघर्ष किया - एक ऐसे आधुनिक भारत के लिए, जहां जाति-गत तथा अन्य किसी तरह के पूर्वाग्रह न हों, जहां महिलाओं तथा सदियों से वंचित रहे समुदायों को बराबरी के आधार पर आर्थिक और सामाजिक अधिकार प्राप्त हों। संविधान सभा की बैठकों के दौरान उन्होने अपने आदर्शों और 'कानून के शासन' में अपनी आस्था को बहुत ही प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया था। इसीलिये, उन्हें हमारे 'संविधान का निर्माता' माना जाता है। यह संविधान हमारे गणराज्य के लिए एक प्रकाश-स्तम्भ की तरह है।

निजी जीवन में अनेक कठिनाइयां सहने के बावजूद डॉक्टर आंबेडकर के हृदय में किसी प्रकार की कटुता या द्वेष की भावना नहीं थी। प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सामाजिक, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में महान योगदान देने के कारण डॉक्टर आंबेडकर हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। हम प्रायः डॉक्टर आंबेडकर के व्यक्तित्व और शिक्षाओं के किसी एक पहलू को ही देख पाते हैं। ऐसा न करके हमें उनके बहु-आयामी व्यक्तित्व और योगदान का समग्रता-पूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए।

इतिहास की इस महान विभूति तथा भारत के इस सच्चे सपूत के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। 'सामाजिक और आर्थिक न्याय' तथा 'प्रतिष्ठा और अवसर की समानता' पर आधारित विकसित भारत का निर्माण करके ही हम उनके प्रति सच्ची श्रद्धा व्यक्त कर सकते हैं। हम डॉक्टर आंबेडकर के आदर्शों के अनुरूप एक ऐसा भारत बनाएं जिसका स्वरूप उन्होने हमारे और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए संविधान में स्पष्ट कर दिया था।

*****